एनबीएफसी क्षेत्र के प्रदर्शन की समीक्षा

*अभ्युदय हर्ष, पल्लवी पंत, नंदिनी जयकुमार#, रजनीश कुमार चंद्रा और बृजेश पी^ द्वारा^*

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये संस्थान अवसंरचना, वाहनों, आवास और उपभोक्ता वस्तुओं के लिए वित्त प्रदान करके, कुल मांग में सुधार करते हैं, रोजगार पैदा करते हैं और आर्थिक विस्तार में योगदान करते हैं। ऋण में एनबीएफसी का बढ़ता योगदान, विशेष रूप से औद्योगिक और खुदरा क्षेत्रों में, उनके बढ़ते ऋण-और-जीडीपी अनुपात में स्पष्ट है। इसके अलावा, प्रमुख संकेतकों के संदर्भ में इस क्षेत्र की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है, जैसे आस्तियों पर प्रतिलाभ, इक्विटी पर प्रतिलाभ, निवल ब्याज मार्जिन, जोखिम-भारित आस्ति अनुपात और अनर्जक आस्ति अनुपात के संदर्भ में। बैंकों और वित्तीय बाजारों के साथ अंतर-संबद्धता के साथ-साथ समग्र ऋण में उनकी हिस्सेदारी में वृद्धि का मौद्रिक नीति संचरण पर प्रभाव पड़ता है।

भूमिका

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भारत की वित्तीय प्रणाली के एक महत्वपूर्ण और गतिशील खंड का प्रतिनिधित्व करती हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत रिज़र्व बैंक के साथ पंजीकृत, एनबीएफसी[1] विभिन्न प्रकार की वित्तीय गतिविधियों में लगी हुई हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ ऋण और अग्रिमों का प्रावधान, शेयरों और बॉण्ड का अधिग्रहण, किराया-खरीद वित्त और फैक्टरिंग शामिल हैं। वे अवसंरचना के विकास, वाहन खरीद (वाणिज्यिक और व्यक्तिगत दोनों), आवास और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे कुल मांग को बढ़ावा मिलता है, रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलता है और समग्र आर्थिक विकास में योगदान होता है। भारत में एनबीएफसी का प्रसार अनुकूलित उत्पाद की पेशकश और विविध और विशिष्ट क्षेत्रों में त्वरित सेवा वितरण के माध्यम से बाजार की स्थितियों के अनुकूल होने की उनकी क्षमता की ओर भी इशारा करता है।

समय के साथ एनबीएफसी का आकार और महत्व बढ़ गया है, जिसका अर्थ है कि इस क्षेत्र में किसी भी महत्वपूर्ण व्यवधान का वित्तीय प्रणाली और वास्तविक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ सकता है। एनबीएफसी के बढ़ते प्रणालीगत महत्व को रिज़र्व बैंक द्वारा अपनाए गए सतर्क और सूक्ष्म विनियामक निरीक्षण द्वारा रेखांकित किया गया है। इस संबंध में एक ऐतिहासिक विकास अक्टूबर वर्ष 2022 से स्केल-आधारित विनियमन (एसबीआर) ढांचे का कार्यान्वयन था, जो एक अधिक सूक्ष्म, जोखिम-आधारित प्रणाली में बदलाव का संकेत देता है जो एनबीएफ़सी क्षेत्र के भीतर विविधता को स्वीकार करता है। यह वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने और क्षेत्र में नवाचार को सुविधाजनक बनाने के बीच रिज़र्व बैंक द्वारा एक नाजुक संतुलन कार्य को दर्शाता है।

ऋण मध्यस्थता में एनबीएफसी की बढ़ती भूमिका के साथ-साथ बैंकों और वित्तीय बाजारों के साथ उनके अंतर्संबंध ने वास्तविक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति के आवेगों के संचरण में उनके बढ़ते महत्व को उजागर किया है, यहां तक कि बैंक प्राथमिक माध्यम के रूप में भी काम कर रहे हैं।

इसके आलोक में, यह आलेख भारत के एनबीएफसी क्षेत्र के हालिया प्रदर्शन को प्रस्तुत करता है। आलेख को निम्नलिखित खंडों में व्यवस्थित किया गया है। खंड II वैश्विक संदर्भ में भारत

लेखक मौद्रिक नीति विभाग (एमपीडी) में प्रबंधक हैं।

^ अन्य लेखक आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग से हैं। लेखक परामर्शदाता श्री एम रामय्या से प्राप्त सुझावों और प्रोत्साहन के लिए आभारी हैं। अनाम रेफरी से प्राप्त सुझावों के लिए भी लेखक आभारी हैं। इस आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

[1] यद्यपि मर्चेंट बैंकिंग कंपनियां, स्टॉक एक्सचेंज, स्टॉक ब्रोकिंग/सब-ब्रोकिंग, निधि कंपनियां, वैकल्पिक निवेश निधि कंपनियां, बीमा कंपनियां और चिट फंड कंपनियां एनबीएफसी हैं, फिर भी उन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत रिज़र्व बैंक के साथ पंजीकरण की आवश्यकता से छूट दी गई है।

के गैर-बैंकिंग क्षेत्र को स्थापित करता है। खंड III एनबीएफसी के तुलन पत्र की जांच करता है, जो भारत की वित्तीय प्रणाली के भीतर उनके बढ़ते महत्व को उजागर करता है। इस पर आधारित, खंड IV इस तेजी से महत्वपूर्ण खंड में मौद्रिक नीति संचरण की प्रभावशीलता के मुद्दे की पड़ताल करता है। खंड V में एनबीएफसी क्षेत्र के वित्तीय और विवेकपूर्ण संकेतकों का विवरण दिया गया है, जिसके बाद अंतिम खंड है जो प्रमुख उभरती चुनौतियों का निष्कर्ष और चर्चा करता है।

II. एनबीएफआई: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य

वैश्विक स्तर पर, गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान[2] (एनबीएफ़आई) क्षेत्र की कुल वित्तीय आस्तियों ने दिसंबर 2023 के अंत में बैंकिंग क्षेत्र की 3.3 प्रतिशत की वृद्धि से 8.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मजबूत विस्तार का प्रदर्शन किया। दिसंबर 2023 के अंत में वैश्विक वित्तीय आस्तियों में एनबीएफआई की हिस्सेदारी 49.1 प्रतिशत थी। दुनिया भर में एनबीएफआई द्वारा ऋण देने में भी 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि बैंक ऋण में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मौजूदा उच्च ब्याज दर के माहौल के बावजूद, एनबीएफआई द्वारा उधार भी मजबूत रहा।

वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के संकीर्ण उपाय में ऋण मध्यस्थता गतिविधियों में शामिल एनबीएफआई संस्थाएं शामिल हैं जो बैंक जैसी कमजोरियों को जन्म दे सकती हैं। इस संकीर्ण उपाय के तहत एनबीएफआई की कुल आस्तियों में एनबीएफआई की हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए संकीर्ण माप 10.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जबकि उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए, यह 5.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा। भारत और सऊदी अरब को छोड़कर सभी अर्थव्यवस्थाओं में संकीर्ण माप [3] में वृद्धि देखी गई। भारत के लिए, इसका श्रेय आर्थिक कार्य (ईएफ़2) को दिया जा सकता है, जो भारत में सबसे बड़ा हिस्सा है और एक बैंक के साथ एक बड़े एनबीएफ़आई के विलय के कारण संकुचन की सूचना दी गई है (सारणी 1)। ईएफ़2 में अल्पकालिक वित्त पोषण पर निर्भर ऋण देने वाले संस्थान शामिल हैं और इसमें वित्त कंपनियों का प्रभुत्व है जो उपभोक्ता वित्त, ऑटो वित्त, खुदरा बंधक प्रावधान, वाणिज्यिक संपत्ति वित्त और साधन वित्त जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं।

एफएसबी ने उन क्षेत्राधिकारों में उपयोग किए जा रहे

सारणी 1: संकीर्ण माप की संरचना

(दिसंबर 2023 के अंत में)

आर्थिक कार्य (ईएफ)	इकाई प्रकार	शेयर		वृद्धि	
		(प्रतिशत)			
		वैश्विक	भारत	वैश्विक	भारत
ईएफ1	उन विशेषताओं के साथ सामूहिक निवेश साधन जो उन्हें चलने के लिए अतिसंवेदनशील बनाते हैं (उदाहरण के लिए, मुद्रा बाज़ार फंड, रियल एस्टेट फंड)	74.1	19.1	10.1	-10.5
ईएफ2	अल्पकालिक वित्त पोषण पर निर्भर ऋण (जैसे, उपभोक्ता ऋण कंपनियां, पट्टे पर देने वाली कंपनियां)	8.5	79.7	7.6	-2.3
ईएफ3	अल्पकालिक वित्त पोषण पर निर्भर बाजार मध्यस्थता (जैसे, ब्रोकर-डीलर, कस्टोडियल खाते)	7.0	0.7	16.2	49.8
ईएफ4	ऋण मध्यस्थता की सुविधा (जैसे, क्रेडिट बीमाकर्ता, मोनोलाइन बीमाकर्ता)	0.2	0.0	0.2	96.1
ईएफ5	प्रतिभूतिकरण आधारित ऋण मध्यस्थता (उदाहरण के लिए, प्रतिभूतिकरण वाहन, संरचित वित्त वाहन)	7.5	0.4	3.8	7.4

टिप्पणी : "शेयर" कुल के सापेक्ष एक विशिष्ट ईएफ़ के अनुपात को दर्शाता है, अर्थात, ईएफ़1, ईएफ़2, ईएफ़3, ईएफ़4, और ईएफ़5 का योग, या तो विश्व या भारत के लिए, जैसा लागू हो। इसी तरह, एक विशिष्ट ईएफ़ की वृद्धि दिसंबर से दिसंबर की तुलना में इसकी व-द-व वृद्धि को संदर्भित करती है।
स्रोत: गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता पर वैश्विक निगरानी रिपोर्ट, 2024।

[2] वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) एनबीएफआई क्षेत्र को सभी गैर-बैंक वित्तीय संस्थाओं के व्यापक उपाय के रूप में परिभाषित करता है, जिसमें सभी वित्तीय संस्थान शामिल हैं जो केंद्रीय बैंक, बैंक या सार्वजनिक वित्तीय संस्थान नहीं हैं।

[3] संकीर्ण माप में पांच आर्थिक कार्य (ईएफ़) शामिल हैं, अर्थात् ईएफ़1 से ईएफ़5।

नीतिगत साधनों पर एक सर्वेक्षण किया जहां ईएफ 2 मौजूद है, जैसे कि भारत। सर्वेक्षण के जवाबों से संकेत मिलता है कि अपनाई गई प्राथमिक नीतियों में बैंकों के लिए विवेकपूर्ण आवश्यकताएं, पूंजी आवश्यकताएं, लीवरेज सीमाएं, महत्वपूर्ण जोखिम पर प्रतिबंध शामिल हैं। इसके अलावा, अधिकांश प्रतिक्रिया देने वाले क्षेत्राधिकारों ने देयताओं पर सीमाओं को लागू करने की सूचना दी है जो एनबीएफआई संस्थाएं बैंकों और जोखिम भरे ग्राहकों से ले सकती हैं (चार्ट 1)। अतिरिक्त उपायों में प्रकटीकरण जनादेश, पंजीकरण और प्राधिकरण प्रक्रियाएं, साथ ही क्रेडिट कार्ड जारी करने सहित गतिविधियों की शृंखला में बाधाएं शामिल थीं।

भारत में, एनबीएफसी ईएफ2 का सबसे बड़ा घटक हैं। उनके प्रणालीगत महत्व और विविध व्यापार मॉडल को देखते हुए, एनबीएफसी को एसबीआर के माध्यम से विनियमित किया जाता है, जिसमें विनियामक तीव्रता में लेयर-वार प्रगतिशील वृद्धि की परिकल्पना की गई है। इस प्रकार, बेस लेयर में एनबीएफसी अपने छोटे आकार और सीमित अंतर्संबंध को देखते हुए मध्य और ऊपरी परतों की तुलना में कम कड़े विनियमन के अधीन हैं। पूंजी, विवेकपूर्ण, शासन और प्रकटीकरण दिशानिर्देशों के अलावा, भारतीय रिज़र्व बैंक ने ऋणों के लिए मुख्य तथ्य विवरणों को अनिवार्य करने, दंडात्मक प्रभारों पर दिशानिर्देश जारी करने,

चार्ट 1: ईएफ़2 के अंतर्गत उपयोग किए गए नीतिगत साधन

(सर्वेक्षण का उत्तर देने वाले क्षेत्रों का प्रतिशत)

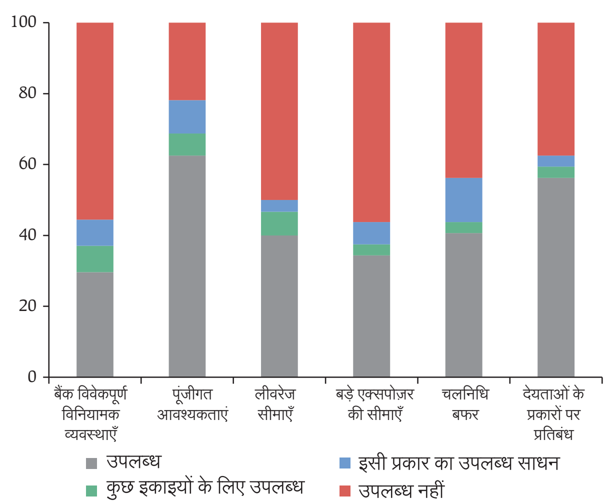

स्रोत: गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता पर ग्लोबल मॉनिटरिंग रिपोर्ट, 2024।

ब्याज लेने में उचित व्यवहार सुनिश्चित करने और जिम्मेदार ऋण आचरण को बढ़ावा देने के लिए हाल के उपायों के साथ ग्राहक सुरक्षा को बढ़ाने पर समवर्ती रूप से जोर दिया है।

III. एनबीएफसी सेक्टर 4 का प्रदर्शन

III.1. तुलन पत्र

कुल आस्ति/देयताओं के संदर्भ में एनबीएफसी क्षेत्र ने दिसंबर 2024 के अंत तक दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज करना जारी रखा। नवंबर 2023 में एनबीएफसी द्वारा खुदरा ऋणों की चुनिंदा श्रेणियों 5 पर जोखिम-भार में वृद्धि ने असुरक्षित ऋणों और लेयरों में अग्रिमों की वृद्धि में कमी में योगदान दिया। उधार, जो धन का मुख्य स्रोत हैं और एनबीएफसी की कुल देयताओं का लगभग दो-तिहाई हिस्सा हैं, एक वर्ष पहले की तुलना में दिसंबर 2024 के अंत में उच्च दर से बढ़ा (सारणी 2)।

आस्ति

दिसंबर 2024 के अंत में ऋण और अग्रिम में 15.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में धीमी दर से बढ़ी (चार्ट 2)। दिसंबर 2024 के अंत तक, अप्रतिभूतित ऋण सकल ऋण और अग्रिमों का 24.0 प्रतिशत था, जबकि एक वर्ष पहले यह 26.8 प्रतिशत था। अपर लेयर की एनबीएफसी के अप्रतिभूतित ऋणों में गिरावट दर्ज की गई, जो मोटे तौर पर बढ़े हुए जोखिम-भार के प्रभाव को दर्शाती है।

मध्यम स्तर के एनबीएफसी के क्रेडिट पोर्टफोलियो में अप्रतिभूतित ऋणों की हिस्सेदारी दिसंबर 2022 के अंत में लगभग 32 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2024 के अंत में 25 प्रतिशत हो गई (चार्ट 3ए)। विकास के संदर्भ में, एनबीएफ-सीयूएल ने मिडिल लेयर के संबंध में अप्रतिभूतित ऋण की वृद्धि में तेज गिरावट देखी, जिसने मामूली वृद्धि दर्ज की (चार्ट 3बी)।

[4] इस आलेख में विश्लेषण केवल एनबीएफसी-यूएल और एमएल तक ही सीमित है, जिसमें सीआईसी, पीडी और एचएफसी शामिल नहीं हैं।

[5] 16 नवंबर, 2023 की अधिसूचना के माध्यम से, आरबीआई ने एनबीएफ़सी को उपभोक्ता ऋण और बैंक ऋण के लिए विनियामक उपायों की घोषणा की, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ आवास ऋण, शिक्षा ऋण, वाहन ऋण, स्वर्ण के आभूषणों के लिए ऋण और सूक्ष्म वित्त/एसएचजी ऋणों को छोड़कर, खुदरा ऋण के रूप में वर्गीकृत एनबीएफ़सी (बकाया और नए) के उपभोक्ता ऋण पर जोखिम भार में वृद्धि शामिल थी।

सारणी 2: एनबीएफसी का समेकित तुलन पत्र

(दिसंबर के अंत में)

(₹ करोड़)

	2023			2024		
मद	**एनबीएफसी**	**एनबीएफसी-यूएल**	**एनबीएफसी-एमएल**	**एनबीएफसी**	**एनबीएफसी-यूएल**	**एनबीएफसी-एमएल**
शेयर पूंजी	1,37,265 (18.2)	4,552 (-36.3)	1,32,714 (21.8)	1,38,288 (0.7)	2,807 (-38.3)	1,35,481 (2.1)
भंडार और अधिशेष	9,08,398 (15.6)	2,10,254 (15.4)	6,98,144 (15.6)	11,30,508 (24.5)	2,37,014 (12.7)	8,93,494 (28.0)
सार्वजनिक जमा	1,06,435 (-8.1)	85,779 (28.4)	20,656 (-57.9)	1,23,348 (15.9)	1,02,439 (19.4)	20,909 (1.2)
उधार	31,78,623 (14.6)	7,97,075 (13.9)	23,81,549 (14.9)	36,96,651 (16.3)	9,20,520 (15.5)	27,76,131 (16.6)
अन्य देयताएँ	3,37,404 (15.3)	54,013 (1.8)	2,83,391 (18.3)	3,77,917 (12.0)	54,930 (1.7)	3,22,987 (14.0)
कुल देयताएँ/आस्तियां	**46,68,126 (14.3)**	**11,51,673 (14.2)**	**35,16,453 (14.4)**	**54,66,712 (17.1)**	**13,17,710 (14.4)**	**41,49,002 (18.0)**
ऋण और अग्रिम	37,15,229 (17.9)	10,21,556 (18.4)	26,93,673 (17.8)	42,87,573 (15.4)	11,55,044 (13.1)	31,32,529 (16.3)
निवेश	5,15,402 (0.3)	61,122 (-10.7)	4,54,280 (2.0)	7,27,957 (41.2)	75,128 (22.9)	6,52,830 (43.7)
नकद और बैंक बैलेंस	1,62,586 (0.8)	38,836 (-13.4)	1,23,749 (6.2)	1,80,396 (11.0)	54,982 (41.6)	1,25,413 (1.3)
अन्य आस्ति	2,74,909 (6.6)	30,158 (-7.5)	2,44,751 (8.7)	2,70,786 (-1.5)	32,556 (8.0)	2,38,230 (-2.7)

टिप्पणियाँ: 1. डेटा अनंतिम हैं।
2. कोष्ठक में आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि प्रतिशत में हैं।
स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

देयताएँ

एनबीएफ़सी मुख्य रूप से बाज़ार और बैंकों से धन जुटाती हैं, जो दिसंबर 2024 के अंत में उनके कुल उधार का क्रमशः 38.7 प्रतिशत और 37.4 प्रतिशत था (चार्ट 4)। इस क्षेत्र में शेयर पूंजी की वृद्धि में काफी गिरावट देखी गई, आंशिक रूप से बाजार की स्थितियों में अनिश्चितता के कारण। अपर लेयर में एनबीएफसी ने दिसंबर 2024 के अंत में शेयर पूंजी में गिरावट का अनुभव जारी रखा।

चार्ट 2: ऋण और अग्रिम में वृद्धि

(प्रतिशत)

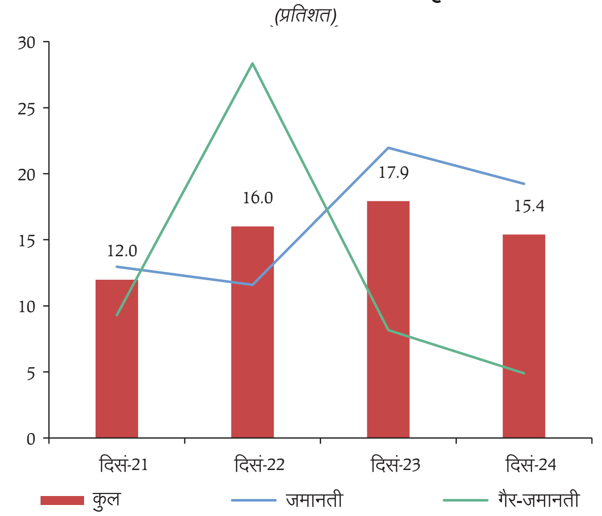

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।
स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

डिबेंचर जारी करने और अंतर-कॉरपोरेट उधार के माध्यम से जुटाई गई धनराशि उच्च दर से बढ़ी, जबकि दिसंबर 2024 के अंत में बैंक उधार में वृद्धि में कमी दर्ज की गई (सारणी 3)।

घरेलू बाजार के अलावा, एनबीएफसी बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) का सहारा ले रही हैं। ईसीबी वित्त पोषण के स्रोतों के विविधीकरण में भी योगदान देता है। कुल ईसीबी (पंजीकरण) में एनबीएफसी की हिस्सेदारी पिछले कुछ वर्षों में बढ़ रही है (चार्ट 5)।

चार्ट 3 : लेयरों के आधार पर गैर-जमानती ऋण में रुझान

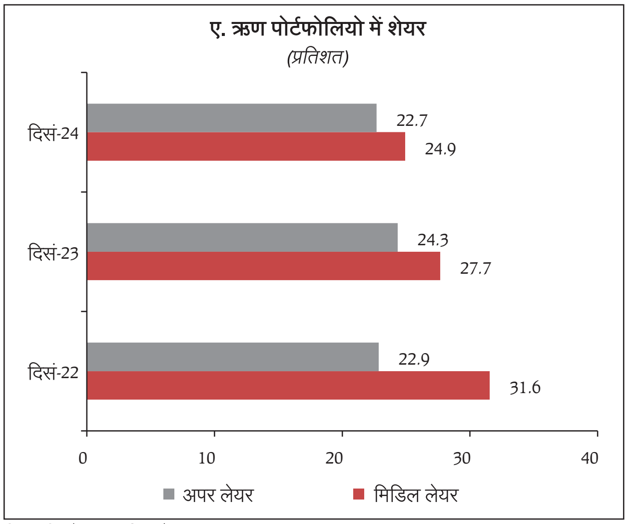

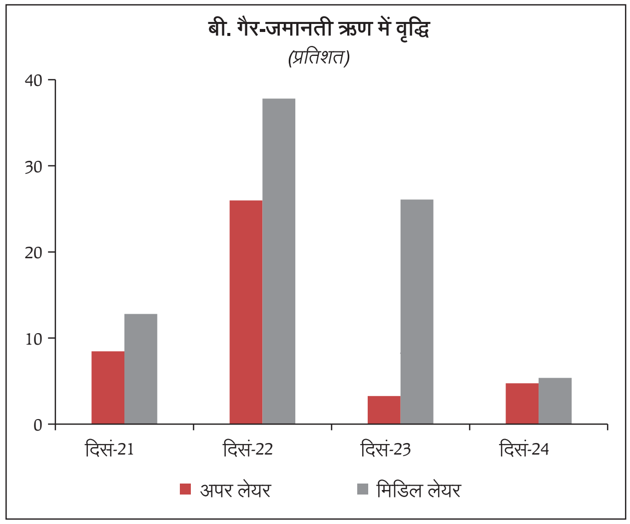

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।
स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

III.2. क्षेत्रीय ऋण

एनबीएफसी के ऋण पोर्टफोलियो में उद्योग और खुदरा क्षेत्र को ऋण दिया जाता है, जो इस क्षेत्र के कुल बकाया का लगभग 72 प्रतिशत है (चार्ट 6ए)। दिसंबर 2024 के अंत में, मजबूत खरीफ खाद्यान्न उत्पादन और अच्छी रबी संभावनाओं के कारण कृषि क्षेत्र को ऋण तेज गति से बढ़ा (आरबीआईए, 2024)। खुदरा ऋण दोहरे अंकों में बढ़ रहे हैं, लेकिन उद्योग और सेवाओं के परिदृश्य में कमी ने उनकी ऋण वृद्धि को कम करने में योगदान दिया है (आरबीआईबी, 2024)। हालांकि, दोनों खंडों में ऋण वृद्धि दोहरे अंकों में बनी रही (चार्ट 6 बी)।

चार्ट 4: उधार के स्रोत

(दिसंबर के अंत में, प्रतिशत)

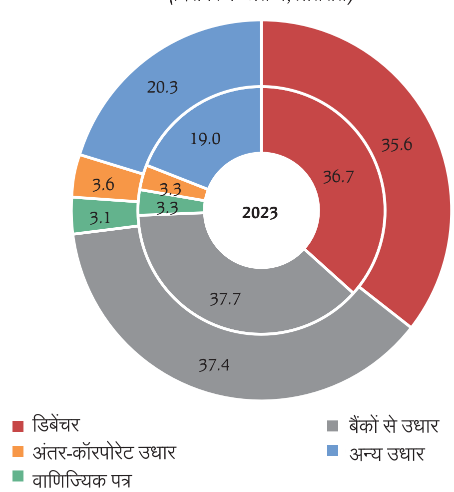

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।
स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

सारणी 3: एनबीएफसी के उधार के स्रोत

(₹ करोड़)

मद	दिसंबर-अंत 2023	दिसंबर-अंत 2024	प्रतिशत भिन्नता	
			दिसंबर-22 की तुलना में दिसंबर-23	दिसंबर-23 की तुलना में दिसंबर-24
1. डिबेंचर	11,65,408	13,14,517	9.6	12.8
2. बैंकों से उधार	11,98,257	13,84,385	16.8	15.5
3. एफआई से उधार	96,193	93,943	31.4	-2.3
4. अंतर-कॉरपोरेट उधार	1,03,699	1,33,754	2.0	29.0
5. वाणिज्यिक पत्र	1,05,903	1,14,820	37.1	8.4
6. सरकार से उधार	20,206	22,620	-6.0	11.9
7. अधीनस्थ ऋण	65,468	74,374	-7.2	13.6
8. अन्य उधार	4,23,489	5,58,237	24.6	31.8
कुल उधार	**31,78,623**	**36,96,651**	**14.6**	**16.3**

टिप्पणी: डेटा अनंतिम हैं।
स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

चार्ट 5: एनबीएफ़सी के बाह्य वाणिज्यिक उधार

(मिलियन अमेरिकी डॉलर, बायां मान; प्रतिशत, दायां मान)

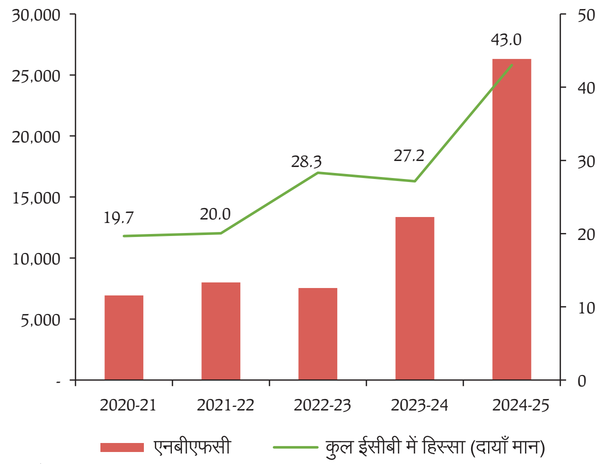

टिप्पणीयाँ: 1. ईसीबी उधार का मतलब ईसीबी के लिए पंजीकरण से है।
2. डेटा अनंतिम है।

स्रोत: डीबीआईई, आरबीआई; और लेखकों की गणना।

इस क्षेत्र के एक लेयर-वार विश्लेषण से पता चलता है कि सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी की उपस्थिति के कारण मिडिल लेयर में एनबीएफसी द्वारा उद्योग को दिए जाने वाले ऋण के प्रभुत्व को दर्शाता है, इसके बाद खुदरा और सेवा ऋण का स्थान आता है। जबकि अपर लेयर मुख्य रूप से 60 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी के साथ खुदरा ऋण खंड में केंद्रित है, इसके बाद सेवाओं का स्थान है (चार्ट 7)।

एनबीएफसी के खुदरा पोर्टफोलियो में वाहन और स्वर्ण पर ऋण सबसे बड़ा खंड है, जो कुल खुदरा ऋण का क्रमशः 34.9 प्रतिशत और 12.6 प्रतिशत है। वर्ष 2023-24 में यात्री वाहन बाजार में बढ़ती मांग, बढ़ती आबादी और बढ़ती वार्षिक बिक्री के अनुरूप वाहन ऋण मजबूती से बढ़े। ग्रामीण और अर्ध शहरी बाजारों में मजबूत उपस्थिति रखने वाले स्वर्ण ऋण भी समाज के वंचित वर्गों की जरूरतों को पूरा करते हुए दोहरे अंकों में बढ़े। सूक्ष्म वित्त ऋणों में वृद्धि में तेज गिरावट देखी गई (सारणी 4)। माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क (एमएफआईएन) ने सुरक्षा दिशानिर्देश[6] जारी किए हैं, जिसके तहत प्रति उधारकर्ता बकाया ऋण की सीमा तय कर दी गई है।

IV. मौद्रिक नीति संचरण

अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए अपने पर्याप्त ऋण मध्यस्थता और बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के साथ अंतर्संबंध के कारण, एनबीएफसी ने मौद्रिक नीति को व्यापक अर्थव्यवस्था में संचरण की सुविधा प्रदान करने में प्रमुखता प्राप्त की है, भले ही बैंक पारेषण के प्राथमिक चैनल बने हुए हैं। एनबीएफसी की बैंक और बाजार उधारियों पर निर्भरता के परिणामस्वरूप एक

चार्ट 6 : एनबीएफ़सी ऋण का क्षेत्र-वार वितरण

ए. शेयर

(दिस-24 के अंत में, प्रतिशत)

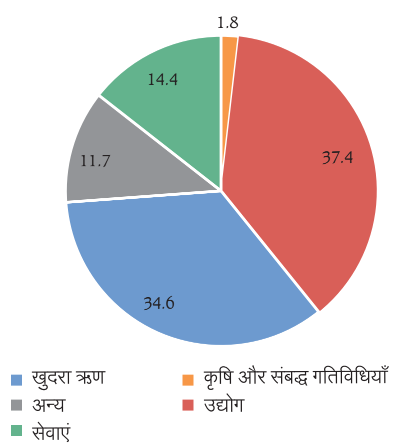

बी. वृद्धि

(प्रतिशत)

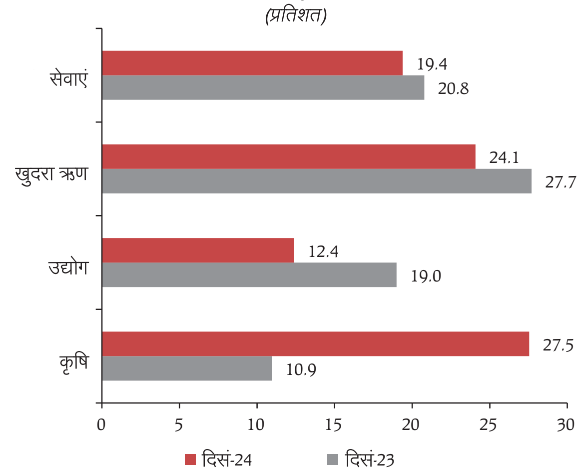

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

[6] एमएफआईएन - एक स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) - इस क्षेत्र में उभरते विकास की निगरानी करता है और इसके आधार पर सदस्यों को निर्देश और सलाह जारी करता है। वर्ष 2024 के दौरान, एमएफआईएन ने 8 जुलाई को निर्देश गार्डरेल जारी किए, जिससे सूक्ष्म वित्त उधारकर्ता की संख्या एक क्लाइंट को 4 तक सीमित कर दी गई और क्लाइंट को कुल सूक्ष्मवित्त ऋण ₹2 लाख तक सीमित कर दिया गया।

चार्ट 7: क्षेत्रवार ऋण पोर्टफोलियो

(दिसंबर 2024 के अंत में, शेयर प्रतिशत में)

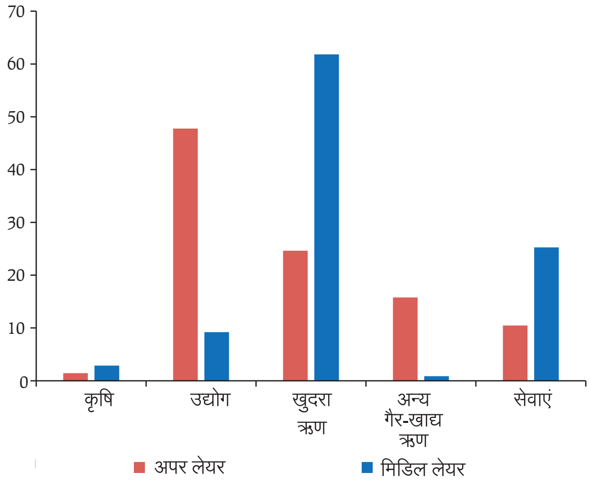

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।
स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

ट्रांसमिशन तंत्र बनता है जो बैंकों की तुलना में अधिक अप्रत्यक्ष[7] है। नीतिगत दर में परिवर्तन एनबीएफसी पर उनके निधियों की लागत के माध्यम से प्रभाव डालता है, जो तब बदलती है जब बाजार और बैंक ब्याज दरें मौद्रिक नीति के अनुरूप होती हैं।

इस संबंध में, यह जांचने का प्रयास किया गया है कि क्या एनबीएफसी की उधारी और उधार दरें, आस्तियों के आकार के आधार पर शीर्ष 100 एनबीएफसी के प्रतिनिधि नमूने द्वारा प्रासंगिक दरों में बदलावों के प्रति प्रतिक्रिया करती हैं। ऋण मूल्य निर्धारण की पद्धति सभी एनबीएफसी में एक समान नहीं है। जहाँ कुछ एनबीएफसी ब्याज दर बेंचमार्क के रूप में अपनी स्वयं की प्रमुख उधार दरों को अपनाते हैं, वहीं अन्य बाह्य बेंचमार्क के रूप में बैंकों की आधार दरों/एमसीएलआर पर निर्भर करते हैं; कुछ के पास अपने ऋण मूल्य निर्धारण के लिए कोई ब्याज दर बेंचमार्क नहीं है। पारदर्शिता की कमी के कारण वित्तीय बाजार के इस क्षेत्र में मौद्रिक नीति के प्रसारण का आकलन करने में कठिनाई हुई है (आरबीआई, 2021; पात्रा, 2022)।

एक गतिशील पैनल मॉडल का अनुमान एक असंतुलित पैनल[8] पर सामान्यीकृत विधि (जीएमएम) पद्धति का उपयोग करके लगाया जाता है, जो मार्च 2019 से दिसंबर 2024 तक की अवधि को कवर करता है, जिसमें एनबीएफसी क्षेत्र की 86 प्रतिशत आस्ति (मार्च 2024 के अंत में) शामिल है।

एनबीएफसी की तुलन-पत्र के देयताओं के पक्ष पर पारेषण को समझने के लिए, एनबीएफसी की भारित औसत उधार दर

सारणी 4: एनबीएफसी के खुदरा ऋण

(₹ करोड़)

मदें	दिसंबर 2023 के अंत में	दिसंबर 2024 के अंत में	प्रतिशत भिन्नता	
			दिसंबर-22 की तुलना में दिसंबर-23	दिसंबर-23 की तुलना में दिसंबर-24
1. आवास ऋण	26,364	38,106	-4.4	44.5
2. उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	42,343	50,297	43.6	18.8
3. क्रेडिट कार्ड प्राप्य	53,479	60,603	28.7	13.3
4. वाहन/ऑटो ऋण	4,28,654	5,18,408	25.6	20.9
5. शिक्षा ऋण	39,500	62,572	75.6	58.4
6. फिक्स्ड डिपॉजिट के लिए अग्रिम	124	174	-58.2	40.9
7. शेयरों, बॉण्ड के लिए व्यक्तियों को अग्रिम	16,813	22,432	33.3	33.4
8. स्वर्ण के लिए व्यक्तियों को अग्रिम	1,43,745	1,87,350	20.0	30.3
9. सूक्ष्म वित्त ऋण/एसएचजी ऋण	1,31,795	1,32,819	39.2	0.8
10.अन्य	3,13,740	4,11,962	27.0	31.3
कुल खुदरा ऋण	**11,96,557**	**14,84,724**	**27.7**	**24.1**

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।
स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

[7] चूंकि एनबीएफसी को चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) विंडो तक सीधी पहुंच का अभाव है, मौद्रिक नीति संचरण अप्रत्यक्ष रूप से बाजार-आधारित चैनलों के माध्यम से होता है, जिससे उधार लेने की लागत प्रभावित होती है और परिणामस्वरूप ऋण दरें प्रभावित होती हैं।

[8] यह विश्लेषण डेटा उपलब्धता और गुणवत्ता पर बाधाओं के कारण शीर्ष 100 एनबीएफसी के नमूने पर केंद्रित है।

(डब्ल्यूएबीआर) को आश्रित चर माना जाता है, जिसकी गणना प्रत्येक एनबीएफसी की उपलब्ध साधन-वार उधार दर का उपयोग करके की जाती है, जिसे उनकी संबंधित बकाया राशियों द्वारा भारित किया जाता है। इसी प्रकार, आस्ति पक्ष पर, भारित औसत उधार दर (डब्ल्यूएएलआर) की गणना उपलब्ध क्षेत्रीय ऋण दरों का उपयोग करके की जाती है, जो उनकी संबंधित बकाया राशियों द्वारा भारित होती है। रेपो दर, भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर; मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य), और 91 दिन की टी-बिल दर (व्यापक वित्तीय स्थितियों का प्रतिनिधित्व करने वाली बेंचमार्क दर) का उपयोग स्वतंत्र चर के रूप में किया जाता है। इसके अतिरिक्त, दो अन्य दरें जो एनबीएफसी के लिए प्रासंगिक हैं, पर भी विचार किया जाता है: ए और एए-रेटेड एनबीएफसी की औसत बॉण्ड प्रतिफल और एनबीएफसी को बैंक ऋण देने का डब्ल्यूएएलआर। ऐसा इसलिए है क्योंकि एनबीएफसी अपनी फंडिंग आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक बैंकों और बाजारों पर निर्भर हैं[9]. इन दरों में बदलाव से एनबीएफसी के लिए फंड की लागत प्रभावित होती है, जिससे उनकी उधार दरें प्रभावित होती हैं।

एनबीएफसी-विशिष्ट कारक जैसे आकार (कुल आस्तियों का लॉग), पूंजी पर्याप्तता, (जोखिम भारित आस्तियों के लिए पूंजी) और लाभप्रदता (कुल आस्ति के लिए निवल लाभ के अनुपात के रूप में ली जाने वाली आस्तियों पर प्रतिलाभ) का उपयोग नियंत्रण के रूप में किया जाता है। व्यापक आर्थिक वातावरण को नियंत्रित करने के लिए, वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर और उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति को शामिल किया जाता है। कोविड-19 महामारी के लिए एक डमी, जो जून-सितंबर 2020 के दौरान एक मूल्य लेता है, और अन्यथा शून्य भी शामिल है।

प्रतिगमन के लिए नीचे दिए गए विनिर्देश का उपयोग किया जाता है:

$$Y_{i,t} = \alpha Y_{i,t-1} + \sum_{j=1}^{n} \beta MP_{t-j} + \delta_c X^c_{i,t-1} + covid_t + \theta_i + \varepsilon_{i,t}$$

जहाँ $Y_{i,t}$ अवधि t में एनबीएफ़सी i का डबल्यूएबीआर या डबल्यूएएलआर है, जैसा भी मामला हो। MP_t, ब्याज का मुख्य चर है, जो अलग-अलग विनिर्देश में रेपो दर, डबल्यूएसीआर, या 91-दिन के टी-बिल दर के लिए होता है। डबल्यूएएलआर को निर्भर चर के तौर पर प्रतिगमन में, एनबीएफ़सी के बॉण्ड प्रतिफल या एनबीएफ़सी को बैंक उधार का डबल्यूएएलआर भी ब्याज के अतिरिक्त चर के तौर पर शामिल है। वेक्टर $X^c_{i,t-1}$ अलग-अलग नियंत्रण को दिखाता है, जिन्हें संभावित अंतर्जातीय चिंता का सामना करने के लिए एक-चौथाई लैग के साथ लिया गया है। θ_i उन एनबीएफ़सी के निर्धारित प्रभाव का नियंत्रण है, जिनका अवलोकन नहीं किया गया है।

[9] दिसंबर 2024 के अंत में, बैंक उधार (37.4) और डिबेंचर (35.6) एक साथ एनबीएफसी के कुल उधार का 73 प्रतिशत हिस्सा थे।

परिणाम दर्शाते हैं कि उपर्युक्त विभिन्न प्रासंगिक दरों में परिवर्तन एनबीएफसी के डब्ल्यूएबीआर और डब्ल्यूएएलआर पर सकारात्मक और महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं, जिसका तात्पर्य अपूर्ण होने पर भी संचरण है। रेपो दर, डब्ल्यूएसीआर, 91-दिवसीय टी बिल दर, एनबीएफसी बॉण्ड प्रतिफल और बैंकों के एनबीएफसी के डब्ल्यूएएलआर का संयुक्त गुणांक रिपोर्ट किया गया है, जो तीन तिमाहियों में एनबीएफसी के डब्ल्यूएबीआर/डब्ल्यूएएलआर पर प्रासंगिक ब्याज दर में परिवर्तन का संचयी प्रभाव देता है। उधार पक्ष पर, रेपो दर में एक प्रतिशत अंक का परिवर्तन तीन तिमाहियों में एनबीएफसी के डब्ल्यूएबीआर में 0.24 प्रतिशत अंक के परिवर्तन से जुड़ा है। डब्ल्यूएसीआर (0.21) और 91-दिवसीय टी बिल दर (0.19) के साथ भी समान परिणाम रिपोर्ट किए गए हैं। सभी विशिष्टताओं में, विलंबित आश्रित चर का गुणांक सकारात्मक और अत्यधिक महत्वपूर्ण है

ऋण देने के पक्ष में, रेपो दर में एक प्रतिशत अंक का परिवर्तन तीन तिमाहियों में एनबीएफसी के डब्ल्यूएएलआर में 0.33 प्रतिशत अंक के परिवर्तन से जुड़ा है (जब बैंकों के एनबीएफसी के लिए डब्ल्यूएएलआर पर विचार किया जाता है तो 0.36 प्रतिशत अंक का परिवर्तन)। इसी प्रकार, एनबीएफसी के डब्ल्यूएएलआर को डब्ल्यूएसीआर (0.22), 91-दिवसीय टी-बिल दर (0.24) और एनबीएफसी बॉण्ड प्रतिफल (0.17) के साथ-साथ सकारात्मक रूप से जुड़ा हुआ पाया गया है (सारणी 6)।

उधार लेने के पक्ष में, संचरण के लिए एक प्रमुख बाधा एनबीएफसी द्वारा सामना किए जाने वाले फंड की उच्च लागत हो सकती है। एनबीएफसी अपनी फंडिंग आवश्यकताओं के लिए बैंक और बाज़ार उधार पर निर्भर करती हैं और बैंकों के विपरीत, चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) विंडो तक सीधी पहुंच नहीं होती है। नतीजतन, रेपो दर में कटौती तुरंत फंडिंग की कम

सारणी 5: एनबीएफ़सी के भारित-औसत उधार दरों में संचरण

	आश्रित चर: डबल्यूएबीआर		
	रेपो दर	डबल्यूएसीआर	91-दिवसीय टी-बिल दर
डबल्यूएबीआर (-1)	0.443*** (0.112)	0.442*** (0.119)	0.448*** (0.113)
आकार	-0.407* (0.209)	-0.418* (0.214)	-0.400* (0.210)
सीआरएआर	-0.00413 (0.00269)	-0.00425 (0.00265)	-0.00442* (0.00252)
आरओए	-0.0659** (0.0281)	-0.0714** (0.0313)	-0.0721** (0.0334)
जीडीपी	-0.00440 (0.00345)	0.000782 (0.00366)	0.00216 (0.00398)
मुद्रास्फीति	0.0216 (0.0301)	0.0230 (0.0256)	0.0367 (0.0236)
कोविड डमी	-0.0369 (0.162)	-0.0651 (0.194)	-0.0928 (0.205)
$\sum_{j=0}^{2} \beta MP_{t-j}$ **योग गुणांक**	**0.244*** (0.0613)**	**0.206*** (0.0496)**	**0.190*** (0.0437)**
स्थिर	7.391*** (2.229)	7.752*** (2.433)	7.494*** (2.350)
अवलोकन	1684	1684	1684
एआर1 (पी-मान)	0.00	0.00	0.00
एआर2 (पी-मान)	0.32	0.27	0.27
हैनसेन-जे (पी-मान)	0.51	0.58	0.54

टिप्पणियाँ: 1. मानक त्रुटियाँ कोष्ठक में हैं।
2. * पी<0.10, ** पी<0.05, *** पी<0.010.

स्रोत: लेखकों का अनुमान।

लागत में तब्दील नहीं हो सकती है। इसके अलावा, एनबीएफसी को बैंक और बाजार वित्त पोषण भी चलनिधि की स्थिति और जोखिम के कथित स्तरों पर निर्भर हो सकती है, जो पारेषण को और कम कर सकता है। ऋण देने के पक्ष में, चूंकि एनबीएफसी अपेक्षाकृत जोखिम वाले उधारकर्ता खंडों को पूरा करते हैं, इसलिए वे संभावित चूक को ध्यान में रखते हुए उच्च ब्याज दरें वसूलते हैं, जो प्रासंगिक दरों में बदलाव के लिए ऋण दरों के समायोजन को और कम कर सकता है।

V. वित्तीय और विवेकपूर्ण संकेतक

आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए), इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) और निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) द्वारा दर्शाई गई लाभप्रदता दिसंबर 2024 के अंत में लेयरों में स्वस्थ स्तर पर बनी रही (चार्ट 8)।

सारणी 6: एनबीएफ़सी की भारित-औसत उधार दर में संचरण

	आश्रित चर: डबल्यूएएलआर				
	रेपो दर	डब्ल्यू एसीआर	91-दिवसीय टी-बिल दर	एनबीएफसी बॉण्ड प्रतिफल	बैंकों की तुलना में एनबीएफ़सी का डबल्यूएएलआर
डबल्यूएएलआर (-1)	0.492*** (0.0859)	0.500*** (0.0847)	0.502*** (0.0824)	0.507*** (0.0830)	0.519*** (0.0851)
आकार	-1.299*** (0.405)	-1.251*** (0.410)	-1.226*** (0.395)	-1.212*** (0.389)	-1.106*** (0.371)
सीआरएआर	-0.0146 (0.0128)	-0.0137 (0.0138)	-0.0157 (0.0130)	-0.0163 (0.0134)	-0.0165 (0.0123)
आरओए	-0.0518 (0.108)	-0.0416 (0.116)	-0.0405 (0.0986)	-0.0116 (0.0907)	-0.00700 (0.110)
जीडीपी	-0.0119* (0.00615)	-0.0175** (0.00781)	-0.0137 (0.0114)	-0.0112 (0.00772)	-0.0110 (0.00837)
मुद्रास्फ़ीति	-0.0307 (0.113)	-0.0617 (0.0997)	-0.0703 (0.0910)	-0.0361 (0.0857)	-0.0710 (0.0836)
कोविड डमी	0.233 (0.474)	0.175 (0.515)	0.647 (0.728)	-0.00467 (0.453)	-0.129 (0.503)
$\sum_{j=0}^{2} \beta MP_{t-j}$ **योग गुणांक**	**0.329*** (0.117)**	**0.221** (0.0844)**	**0.242*** (0.0818)**	**0.166** (0.0709)**	**0.357* (0.210)**
स्थिर	18.64*** (4.055)	18.92*** (4.164)	18.63*** (4.009)	18.40*** (3.891)	14.91*** (3.648)
अवलोकन	1624	1624	1624	1624	1624
एआर1 (पी-मान)	0.00	0.00281	0.00	0.00	0.00
एआर2 (पी-मान)	0.27	0.26	0.23	0.27	0.25
हैनसेन-जे (पी-मान)	0.48	0.41	0.40	0.47	0.36

टिप्पणियाँ: 1. मानक त्रुटियाँ कोष्ठक में हैं।
2. * पी<0.10, ** पी<0.05, *** पी<0.010.

स्रोत: लेखकों का अनुमान।

रिज़र्व बैंक त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) ढांचे के तहत प्रमुख संकेतकों की बारीकी से निगरानी कर रहा है, जैसे पूंजी-जोखिम-भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर), टियर-1 पूंजी अनुपात और निवल एनपीए अनुपात (एनएनपीए), जो अक्टूबर 2022 से एनबीएफसी [10] के लिए प्रभावी है। अभी तक बैंक द्वारा किसी भी एनबीएफसी को पीसीए ढांचे के तहत नहीं रखा गया है।

हाल के वर्षों में एनबीएफसी क्षेत्र की आस्ति गुणवत्ता में सुधार जारी रहा है, जैसा कि एनपीए अनुपात में लगातार गिरावट में परिलक्षित होता है। दिसंबर 2024 के अंत में, जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात क्रमशः 3.4 और 1.2 प्रतिशत था। जबकि

[10] https://www.rbi.org.in/scripts/NotificationUser.aspx?Id=12208&Mode=0

चार्ट 8: लाभप्रदता संकेतक

(प्रतिशत)

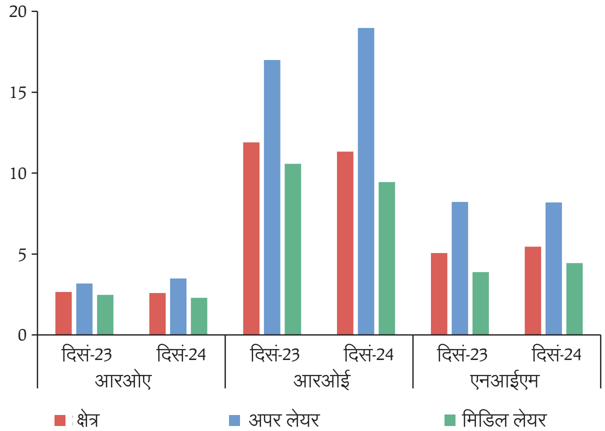

टिप्पणियाँ: 1. आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) = निवल लाभ / औसत कुल आस्तियां।
1. इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) = निवल लाभ / औसत कुल इक्विटी।
2. निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम)= निवल ब्याज आय /औसत कुल आस्तियां।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; लेखकों की गणना।

चार्ट 9: लेयरों के आधार पर आस्ति गुणवत्ता अनुपात

(प्रतिशत)

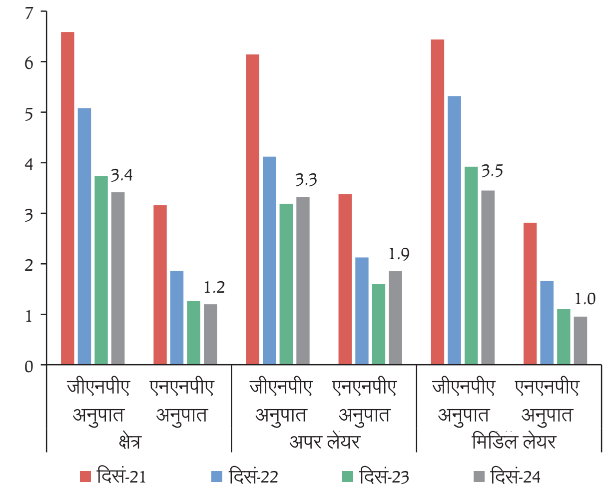

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

मिडिल लेयर की आस्ति गुणवत्ता समग्र क्षेत्रों के के साथ संरेखण में है, वहीं अपर लेयर में दिसंबर 2024 के अंत में एनपीए अनुपात में थोड़ी वृद्धि देखी गई (चार्ट 9)।

दिसंबर 2024 के अंत में, एनबीएफसी का क्रेडिट पोर्टफोलियो लाभदायी रहा है, कृषि और संबद्ध गतिविधियों को छोड़कर सभी क्षेत्रों में जीएनपीए अनुपात में कमी के साथ (चार्ट 10)।

दिसंबर 2023 के अंत में आस्तियों की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार के बाद, एनबीएफसी का एमएसएमई क्रेडिट पोर्टफोलियो दिसंबर 2024 के अंत में जीएनपीए अनुपात के स्थिर स्तर के साथ मजबूत बना रहा है (चार्ट 11)।

खुदरा ऋणों में मजबूत वृद्धि के बावजूद खुदरा ऋणों की आस्ति गुणवत्ता स्थिर बनी हुई है। हालाँकि, सूक्ष्म वित्त ऋणों के संबंध में जीएनपीए दिसंबर 2024 के अंत में बढ़ गया (चार्ट 12)। सूक्ष्म ऋण देने के क्षेत्र में एसआरओ के साथ-साथ एनबीएफसी को बाजार सहभागियों के बीच जिम्मेदार ऋण प्रथाओं और ऋण अनुशासन को सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना चाहिए।

एनबीएफसी ने विनियामक आवश्यकता से परे भी अपने तुलन पत्र पर लगातार पूंजी बफर बनाए रखा है। दिसंबर 2024 के अंत में, समग्र स्तर पर, अपर लेयर और मिडिल लेयर ने क्रमशः 20.6 प्रतिशत और 28.6 प्रतिशत सीआरएआर बनाए रखा (चार्ट 13)। अपर लेयर और मिडिल लेयर के बीच सीआरएआर के स्तर में असमानता मुख्य रूप से स्वामित्व संरचना में अंतर के कारण है। बड़े सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी - जिन्हें नियामक डिजाइन द्वारा मिडिल लेयर में रखा गया है, में समय-समय पर पूंजी निवेश होता है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च सीआरएआर होता है। इसके विपरीत, अपर लेयर, जिसमें निजी एनबीएफसी शामिल हैं, लाभ और विकास से प्रेरित होती हैं, अक्सर लीवरेज और जोखिम भरे ऋण बुक के साथ चलती हैं।

चार्ट 10: क्षेत्र के आधार पर जीएनपीए अनुपात

(प्रतिशत)

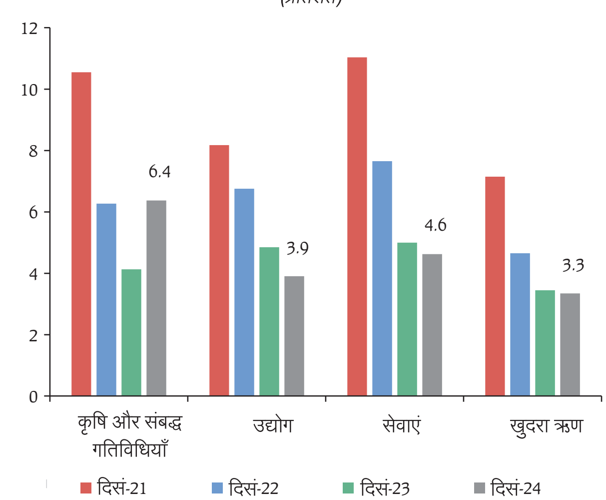

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

चार्ट 11: एमएसएमईई ऋण का जीएनपीए अनुपात

(प्रतिशत)

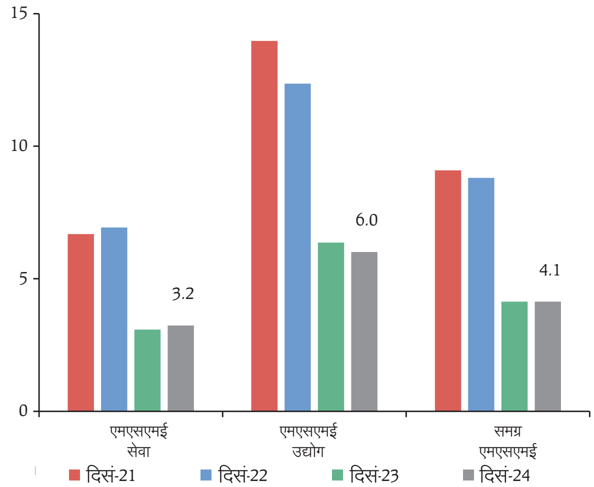

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

चार्ट 12: खुदरा ऋण में जीएनपीए अनुपात

(प्रतिशत)

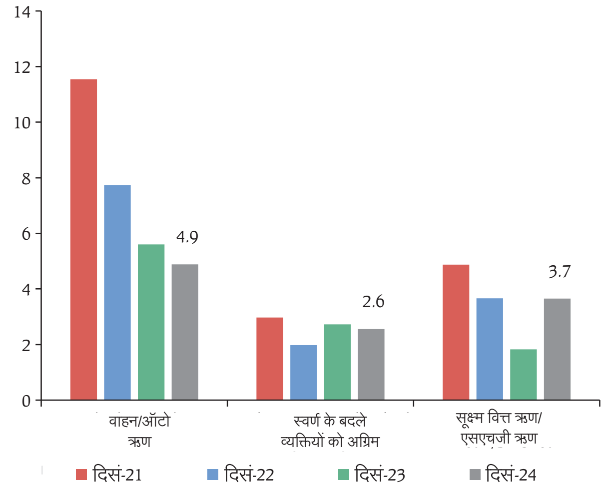

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

नवंबर 2019 में, रिज़र्व बैंक ने एनबीएफ़सी के लिए अपने चलनिधि जोखिम प्रबंधन को मजबूत करने के लिए चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) ढांचा पेश किया। 30-दिवसीय दबाव परिदृश्य में निवल नकदी बहिर्वाह को कवर करने के लिए पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाले चलनिधि आस्तियों [11] (एचक्यूएलए) के बफर को अनिवार्य करके, एलसीआर एनबीएफ़सी के अल्पकालिक लचीलेपन को बढ़ाता है। एक सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए, एलसीआर आवश्यकता को 1 दिसंबर 2020 से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया था। ₹10,000 करोड़ और उससे अधिक की संपत्ति वाले सभी गैर-जमा लेने वाली एनबीएफ़सी और सभी जमा लेने वाली एनबीएफ़सी को 1 दिसंबर 2020 को 50 प्रतिशत से शुरू होकर 1 दिसंबर 2024 तक 100 प्रतिशत तक पहुंचने के लिए न्यूनतम एलसीआर बनाए रखना था। ₹5,000 करोड़ से ₹10,000 करोड़ के बीच की आस्तियों वाली सभी गैर-जमा लेने वाली एनबीएफसी ने 30 प्रतिशत से शुरू होने वाले समान प्रक्षेपवक्र का अनुसरण किया। इस सही परिदृश्य ने एनबीएफसी को क्षेत्रीय चलनिधि और ऋण प्रवाह को संरक्षित करते हुए धीरे-धीरे नए मानदंडों के साथ संरेखित करने की अनुमति दी।

दिसंबर 2024 तक, यह क्षेत्र नियामक आवश्यकता से परे एलसीआर बनाए रख रहा है (चार्ट 14)। यह सतर्क दृष्टिकोण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक आस्तियों के लिए अल्पकालिक वित्तपोषण पर निर्भरता के कारण हो सकता है, जिससे उन्हें चलनिधि असंतुलन और प्रणालीगत जोखिम का सामना करना पड़ता है। एलसीआर ऐसी कमजोरियों को कम करता है, जिससे स्थिरता और बाजार विश्वास को बढ़ावा मिलता है।

चार्ट 13: पूंजी की तुलना में जोखिम-भारित आस्ति अनुपात

(प्रतिशत)

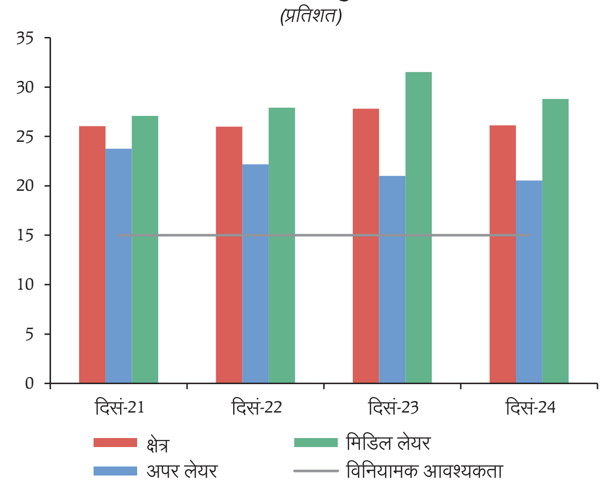

टिप्पणी: डेटा अनंतिम है।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

[11] आंकड़ों की कमी के कारण, हम एचक्यूएलए का अनुमान लगाने के लिए रूढ़िवादी दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं, जो मौजूदा विनियमों के तहत एनबीएफ़सी द्वारा बनाए गए वास्तविक एचक्यूएलए की मात्रा को कम करके आंक सकता है।

चार्ट 14: चलनिधि कवरेज अनुपात

(प्रतिशत)

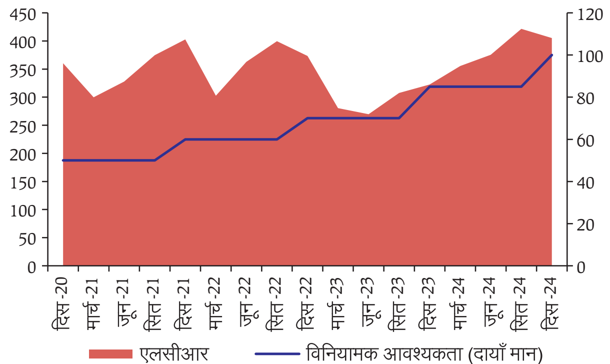

टिप्पणियाँ: 1. एलसीआर= एचक्यूएलए का स्टॉक/अगले 30 दिनों में कुल निवल नकद बहिर्वाह।
2. एचक्यूएलए (नकद और बैंक बैलेंस) *1.0+ (सरकारी प्रतिभूति और सरकारी गारंटी वाले बॉण्ड, जिसमें ट्रेजरी बिल शामिल हैं) *0.85
3. निवल नकद बहिर्वाह= दबावग्रस्त बहिर्वाह- न्यूनतम (दबावग्रस्त अंतर्वाह, दबावग्रस्त बहिर्वाह*0.75}
4. दबावग्रस्त बहिर्वाह= कुल बहिर्वाह*1.15
5. दबावग्रस्त अंतर्वाह= कुल अंतर्वाह*0.75

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न; और लेखकों की गणना।

VI. निष्कर्ष

एफएसबी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक स्तर पर एनबीएफआई क्षेत्र की वृद्धि पारंपरिक बैंकिंग क्षेत्र के विकास से आगे निकल गई है। भारत में, एनबीएफ़सी ने दिसंबर 2024 के अंत तक दोहरे अंकों की ऋण वृद्धि दर्ज करना जारी रखा। यह विस्तार उद्योग और खुदरा क्षेत्र को ऋण देने से जीडीपी अनुपात में वृद्धि से स्पष्ट है, जो उनके पोर्टफोलियो पर हावी है। एनबीएफसी क्षेत्र विभिन्न लाभप्रदता और विवेकपूर्ण संकेतकों जैसे आस्तियों पर प्रतिलाभ, इक्विटी पर प्रतिलाभ, निवल ब्याज मार्जिन, जोखिम भारित आस्तियों और अनर्जक आस्तियों के लिए पूंजी के मामले में मजबूत बना हुआ है। नवंबर 2023 में जोखिम भार में वृद्धि के माध्यम से गैर-जमानती ऋणों की वृद्धि दर में वृद्धि को नियंत्रित किया गया था। वित्त के स्रोतों के संबंध में, एनबीएफसी काफी हद तक बैंक उधार और डिबेंचर पर निर्भर हैं। ऋण मध्यस्थता और बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के साथ अंतर्संबंधों में एनबीएफसी की भूमिका का वित्तीय क्षेत्र और वास्तविक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति आवेगों के संचरण पर प्रभाव पड़ता है। अनुभवजन्य विश्लेषण इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि एनबीएफसी की उधार और उधार दरों में मौद्रिक नीति का संचरण होता है, हालांकि यह अधूरा है।

वाहन ऋण और स्वर्ण के लिए ऋण जैसे क्षेत्रों के लिए संभावनाएं मजबूत दिखाई देती हैं, जो वाहनों की बिक्री में सुधार और स्वर्ण की बढ़ती कीमतों से उत्साहित हैं। एलसीआर की शुरूआत एनबीएफसी के अल्पकालिक आघात-सहनीयता को और मजबूत करने के लिए तैयार है। जैसा कि वित्तीय क्षेत्र तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग को अपना रहा है, एनबीएफसी को सतर्क रहना चाहिए और इन नए अवसरों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाकर साइबर चुनौतियों का सक्रिय रूप से समाधान करना चाहिए।

संदर्भ

FSB. (2024). Global Monitoring Report on Non-Bank Financial Intermediation.

Patra, M. D. (2022). Lost in Transmission? Financial Markets and Monetary Policy. *Speech by Dr Michael Debabrata Patra, Deputy Governor, Reserve Bank of India.*

RBI. (2021). *Report on Currency and Finance.*

RBIa. (2024). *Minutes of the Monetary Policy Committee Meeting, December 4-6.*

RBIb. (2024). *Report on Trend and Progress of Banking in India.*

SIAM. (2025). *Performance of Indian Auto Industry in 2023-24. Retrieved from https://www.siam.in/statistics.aspx?mpgid=8&pgidtrail=9*